

Hindi Murli Quiz 19-05-2015

Q.1) Q.बाबा के पास बच्चे आते हैं तो बाबा पूछते हैं _____, ऐसा प्रश्न कोई भी साधू-सन्यासी आदि कभी पूछ न सके।

- A. ☐ बाबा पर निश्चय है?
- B. ☐ अपने को आत्मा समझते हो?
- C. ☐ आगे कब मिले हो?
- D. ☐ सर्विस करते हो?

Q.2) Q.वास्तव में यहाँ (संदली पर) बैठना उनको चाहिए जो देही- अभिमानी बन बाप की याद में बैठे। अगर याद में नहीं बैठेंगी तो वह _____ कहला नहीं सकती।

- A. ☐ स्टूडेंट
- B. ☐ ब्राह्मणी
- C. ☐ टीचर
- D. ☐ बच्ची

Q.3) Q.इनमें से सही वाक्यों का चयन करें-

- A. ☐ अभी तुम्हें अथाह खुशी है कि सर्वशक्तिमान बाप से बल लेकर हम सतयुगी स्वराज्य अधिकारी बनते हैं।
- B. ☐ जैसा कर्म ऐसा जन्म मिलता है।
- C. ☐ बाप को याद करो तो याद का बल जमा होगा, याद के बल से तुम सारे विश्व का राज्य ले सकते हो।
- D. ☐ अब बाप कहते हैं शास्त्र आदि जो कुछ पढ़ते हो उन सबको स्मृति में लाओ।
- E. ☐ इन लक्ष्मी- नारायण को भी ज्ञान था कि हमने राजाई कैसे ली। द्वापर के बाद भूल गए।

Q.4) Match the following

	Choice		Match
A	जब पढ़ाई से इतना ऊंच पद मिलता है तो कितना अच्छा पढ़ना चाहिए।	1	अपने अन्दर में देखो - हम लायक हैं? हमारे में कोई विकार तो नहीं है ?
B	रचता रचना को जानने से तुम क्या बनते हो	2	न जानने से तुम क्या बन पड़ते हो?
C	बैरिस्टरी आदि पढ़ते हैं तो अन्दर में रहता है ना - हम भी इम्तहान पास कर फिर यह करेंगे, घर बनायेंगे।	3	गरीबों का उद्धार कर उनको स्वर्ग का मालिक बनायेंगे।
D	सगीर माना ही बाप के हुक्म में चलना है।	4	बहुत इजी सिर्फ सवेरे आधा-पौना घण्टा पढ़ना है।
E	सब कहते हैं - हम लक्ष्मी अथवा नारायण बनेंगे।	5	तुमको क्यों नहीं बुद्धि में आता है हम स्वर्ग का प्रिन्स-प्रिन्सेज बनने के लिए पढ़ रहे हैं।
F	हम ऐसी-ऐसी सर्विस कर	6	बालिग है फिर जो चाहे सो करे। कायदे भी हैं ना।

Q.5) Q.बाप कहते हैं यह सब भक्ति मार्ग के गपोड़े हैं। बाबा ने यह किस बात के लिए प्रयोग किया है ?

- A. ☐ नारद
- B. ☐ 84 लाख जन्म
- C. ☐ नेति-नेति
- D. ☐ मीरा

Q.6) Q.जो अपने को _____ समझते हैं उनकी स्मृति में रहता है कि अभी हम पुरुषोत्तम बन रहे हैं।

- A. ☐ देवता
- B. ☐ आत्मा
- C. ☐ संगमयुगी
- D. ☐ ईश्वरीय संतान

Q.7) Q.बाबा के अनुसार इनमें से डिफिकल्ट अक्षर कौन सा है ?

- A. ☐ ड्रामा
- B. ☐ याद का बल
- C. ☐ योगबल
- D. ☐ देही-अभिमानी

Q.8) Q.एक बार की हुई गलती को बार-बार सोचना अर्थात्

- A. ☐ मंथन करना
- B. ☐ योगी बनना
- C. ☐ दाग पर दाग लगाना
- D. ☐ योद्धा बनना

Q.9) Q.इनमें से गलत वाक्यों का चयन करें -

- A. ☐ यह है जिस्मानी यात्रा। भगवानुवाच - मनमनाभव।
- B. ☐ यहाँ भी आये हैं, कोई तो एकदम फ़िदा होते हैं, कोई सुनकर फिर चले जाते हैं।
- C. ☐ इस बाबा को बचपन से ही स्वपन आते थे कि हमको विश्व की बादशाही मिलेगी | तब तो यह गाँव का छोरा था |
- D. ☐ पतित बने हैं विकार से। बाप कहते हैं काम महाशत्रु है। यह आदि-मध्य-अन्त दुःख देने वाला है।
- E. ☐ यहाँ जो भी कर्म करते हैं वह विकर्म होता है।

Q.10) Q.रूहानियत जहाँ एकाग्रता है वहाँ स्वतः एकरस स्थिति है। एकाग्रता से संकल्प, बोल और कर्म का व्यर्थ पन समाप्त हो जाता है और समर्थ पन आ जाता है। एकाग्रता अर्थात् एक ही श्रेष्ठ संकल्प में स्थित रहना। जिसएक बीज रूपी संकल्प में सारा वृक्ष रूपी विस्तार समाया हुआ है। एकाग्रता को बढ़ाओ तो सर्व प्रकार की हलचल समाप्त हो जायेगी। सब संकल्प, बोल और कर्म सहज सिद्ध हो जायेंगे। इसके लिए एकान्तवासी बनो।

- A. ☐ True
- B. ☐ False